an>

Title: Regarding cleaning the banks of river Ganga at Sultanganj.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदया, आपने शून्यकाल में मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद। मैं बांका संसदीय क्षेत्र से आता हूं। बांका, भागलपुर, मुंगेर गंगा किनारे बसा हुआ है। केन्द्र सरकार ने यह संकल्प लिया है कि गंगा के पानी को अमृत करेंगे। यह संकल्प कब पूरा होगा, यह तो भगवान जाने, लेकिन हम सवाल उठाना चाहते हैं कि सुल्तानगंज जो हमारे संसदीय क्षेत्र में है, उतरायण गंगा जहां से आगे बढ़ती है, वहां करोड़ों आस्था रखने वाले भाई-बहन 107 किलोमीटर पांव पैदल यात्रा करके कटोरिया, तारापुर, बेलहर, चांदन होते हुए देवघर, झारखंड जाते हैं। यह विश्व प्रसिद्ध पांव पैदल यात्रा है। लोग वहां जलाभिषेक करने का काम करते हैं। हमारी सरकार से मांग है कि सुल्तानगंज गंगा घाट की साफ-सफाई, सीढ़ी का निर्माण, बंदरगाह का निर्माण और सुल्तानगंज से लेकर देवघर तक जो पांव पैदल यात्रा है, उसे राष्ट्रीय पर्यटक मेला घोषित किया जाए। साथ ही भागलपुर, मुंगेर और सुल्तानगंज घाट का रख-रखाव और सफाई उचित ढंग से करने के लिए हम सरकार से निवेदन करते हैं। तभी हम निर्मल भारत, स्वच्छ भारत की कल्पना कर सकते हैं। इसे पर्यटक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए। जो गंगा मैली है, इन चीजों को जोड़ते हुए उसे बेहतर बनाने के लिए निर्मल भारत की कल्पना को पूरा किया जाए। सुल्तानगंज घाट की साफ-सफाई के साथ इसे राष्ट्रीय मेला घोषित किया जाए। हम यह मांग करते हैं।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री जय प्रकाश नारायण यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।